

## ग्रामीण महिलाएं अपने बेटे बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें

महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्म निर्भर बनें—  
राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया

बेटी बेटियों को सशक्त एवं सामर्थ्यवान बनायें—सूर्य प्रताप शाही

लखनऊ, 29 जनवरी, 2021

कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रांगण में मुख्य अतिथि प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल, उ०प्र०, श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं महिला किसानों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा क्षेत्र है और इस क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों के सहयोग से अधिक कार्य हो रहा है। कृषि के साथ-साथ पशु पालन कार्य भी किया जाता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से कहा कि वह अपनी बेटे-बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें, उन्होंने बेटियों को आवश्यक रूप से शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि बेटियां शिक्षित होगी, तो आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं किसी रोजगार व कार्य करके आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सकती है, उन्हें किसी दूसरे के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेटियों/किशोरियों को कुपोषण से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि महिलायें को शारीरिक रूप से सशक्त होना चाहिये। उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में कोई भेद-भाव नहीं करें और समान रूप से उनके शिक्षा व पालन पोषण का संकल्प लें। महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि उ०प्र० में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य सुविधा हेतु चिकित्सालयों में उनके स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रसव आदि की व्यवस्था की है इसके लिये महिलाओं को जागरूक होकर लाभ लेने की आवश्यकता है। सरकार गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच कराने के लिये 5 हजार रुपये व्यय कर रही है। उन्होंने कहा कि कुपोषण व टीवी जैसी गम्भीर बीमारियों से लोगों को मुक्त कराना है। उन्होंने नवजात शिशुओं को माताओं द्वारा स्तनपान कराये जाने पर जोर देते हुये कहा कि यह उनके जीवन रक्षक के रूप में काम करता है। उन्होंने नवजात बच्चों की एक से डेढ़ वर्ष तक बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल करने का आवाहन किया जिससे कि बच्चे निरोगी रहें।

उन्होंने कहा कि सभी महिलायें संकल्प लें कि वह कभी अपने बेटे के शादियों में दहेज की मांग नहीं करेंगी, जिससे कि दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूह की श्रीमती राधादेवी सहित 10 महिलाओं को सिलाई मशीन आदि वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मा0 मंत्री कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, श्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिये अनेकों कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अभियान चलाये जा रहे है। उन्होंने भारी संख्या में दूर-दराज से आर्यी महिलाओं एवं महिला किसानों का आवाहन किया कि आप जब शिक्षित होती हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। सरकार महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिये मिशन शक्ति के माध्यम से भी उन्हें और अधिक मजबूत कर रही है। मिशन शक्ति का उद्देश्य बेटी-बेटियों को सशक्त और सामर्थ्यवान बनाना है। सरकार बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ, भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान एवं विभिन्न योजनायें चलाकर उन्हें जागरुक कर रही है व विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी कर रही है।

मा0 राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, श्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सरकार निरन्तर प्रत्यनशील है। उन्होंने कहा कि आज 13 जिलों से 1500 महिलाये प्रतिभाग कर रही है। महिला किसानों की खेती बाड़ी से अब आय दोगुनी हो रही है। 05 लाख 80 हजार बेटियों को कन्या सुमंगला योजना, 36 लाख 16 हजार से मातृत्व बंदना योजना से लाभान्वित किया गया है।

कार्यक्रम में कृषि उद्यमिता से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में कृषि व्यवसाय के छात्र-छात्राओं द्वारा नाट्य के माध्यम से नारी सशक्तीकरण कार्यक्रम का मंचन किया गया। इस अवसर पर मा0 राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, श्रीमती नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री, तकनीकी शिक्षा, श्री संदीप सिंह, विधायक श्री सुरेन्द्र मैथानी, कुलपति डा0 डी0आर0सिंह, प्रसार निदेशक, श्री धूम सिंह सहित मा0 जनप्रतिनिधिगण, कृषि वैज्ञानिक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलायें तथा अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

